वर्षावास चातुर्मास की स्थापना

साध्वी श्री सोहनकुमारी जी छापर एवं सहयोगी साध्वियां

अर्हम्

सुनाम - दिनांक 14-7-2011 को अध्यात्म जगत के उज्जवल नक्षत्र आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री सोहनकुमारी जी छापर के सानिन्धय में आध्यातमिक महामंत्रो के साथ वर्षावास की स्थापना की गई।

साध्वी श्री सोहनकुमारी जी ने इस मंगल अवसर पर विशेष प्रेरणा देते हुए कहा- अधिक से अधिक अध्यात्म की गंगा प्रवाहित करें। यह एक ऐसा सीजन है, जो कि व्यकित को अपने भीतर झांकने का एक संबल प्रदान करता है। मंगलकार्य के लिए मंगल मंत्रो के द्वारा अपने को भावित करें। चातुर्मास काल में अधिक से अधिक तप त्याग को अपनाकर कर्म निर्जरा करें।

साध्वी श्री लज्जावती जी ने कहा- तेरापंथ धर्मसंघ सेवा, समर्पण, व्यवस्था एवं मर्यादा रूपी मजबूत खम्भो पर अवस्थित है। आचार्य भिक्षु ने अद्वितीय एवं अनूठी मर्यादाओ के द्वारा निखारा। आचार्य भिक्षु ने अपनी प्रखर एवं पैनी दृष्टि से जिन मर्यादाओ का निर्माण किया वे आज तक अक्षुष्ण रूप से अपने गौरव को बढा रही है। साधक अपने प्राण प्रण से पालन करता हुआ साधना के मार्ग पर बढ रहा है। अत: आज हम आचार्य भिक्षु को श्रध्द्धा से नमन करते है।

साध्वी श्री सिद्धान्त श्री जी ने गीतिका के माध्यम से चातुर्मास में करणीय कार्य की ओर प्रेरणा दी।

Yours Faithfully,
All TYP Members,
President:- Sumit Jain.
Secratery:- Ashish Jain.
Date Of Sent:- 15-7-2011. Jt.Sec:- Hitesh Jain (90413-99764).

****